खाटू की गलियों में | By Sanjay Pareek

मेरा दिल ये दीवाना खो गया अब खाटू की गलियों में
अब मेरा ठिकाना हो गया ओये खाटू की गलियों में
देखा बाबा का दरबार, दिल में गया शयम पे हारे
अब मैं इससे ज्यादा क्या कहूं
जीने का बहाना हो गया अब खाटू की गलियों में

जब सांवरिया मन भाया, मैं दौड़ के खाटू आया
मैंने पहली अर्ज़ी लगाई मेरी झट हो गयी सुनवाई
मेरा आना जाना हो गया अब खाटू की गलियों में

मैंने खाटू की रज्ज पाई झट माथे से है लगाई
मैंने श्याम से प्रीत लगाईं, किस्मत मेरी रंग लाइ
मेरा प्यार पुराना हो गया खाटू की गलियों में

मैं सुख मैं दौड़ा आऊं मैं दु:ख में अर्ज़ी लगाऊं
जब जब भी इसे बुलाऊँ मैं सन्मुख श्याम को पाऊं
अब सुनना सुनाना हो गया खाटू की गलियों में

मैं श्याम शरण में आकर बन गया श्याम का चाकर
रोमी संग सेवा पाई बाबा को भजन सुनाकर
मेरे पीछे ज़माना हो गया अब खाटू की गलियों में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-sanjay-paree/